

धसका पुं. (देश.) चौपायों के फेफड़ों का एक संक्रामक रोग।

धसना अ.क्रि. (देश.) 1. ध्वस्त होना, नष्ट होना 2. घुसना, प्रवेश करना 3. धँसना।

धसमसाना अ.क्रि. (देश.) 1. धँसना, नीचे की ओर बैठना 2. धरती में समाना।

धसान स्त्री. (देश.) 1. धँसने की क्रिया 2. पूर्वी मालवा एवं बुंदेलखंड की एक नदी।

धसाना स.क्रि. (तत्.) धँसाना।

धसाव पुं. (देश.) दे. धँसाव/धँसान।

धहधहाना अ.क्रि. (देश.) धधकना प्रयो. उनके कलेजे में दुःख की आग धहधहा रही थी।

धांधा स्त्री. (तद्.) इलाचयी।

धाँक पुं. (देश.) एक जंगली जाति।

धाँगड़ पुं. (देश.) 1. विंध्य तथा कैमूर की पहाड़ियों पर निवास करने वाली एक जंगली जाति 2. कुआँ व तालाब खोदने वाली एक जाति 3. धाँगज।

धाँगना स.क्रि. (देश.) रौंदना, कुचलना।

धाँगर पुं. (देश.) दे. धाँगड़।

धाँधना स.क्रि. (देश.) 1. बंद करना, भेड़ना 2. बहुत अधिक खा लेना, ढूँस-ढूँस कर खा लेना 3. नष्ट-भ्रष्ट करना 4. परेशान करना।

धाँधल पुं. (देश.) 1. उपद्रव, ऊधम, उत्पात 2. फरेब, धूर्तता, दगा, छल, धोखा 3. जल्दबाजी।

धाँधलपन पुं. (देश.) 1. शरारत, पाजीपन 2. धोखेबाजी, दगाबाजी।

धाँधली स्त्री. (अनु.) 1. मनमाना व्यवहार प्रयो. नियुक्तियों के मामले में निर्देशक ने नियम-कानून को ताक पर रखकर धाँधली करनी शुरू कर दी 2. गड़बड़ी, हेराफेरी 3. अनीति, अत्याचार 4. ज्यादाती 5. धोखा 6. उत्पात, उपद्रव ऊधम 7. शीघ्रता, जल्दबाजी।

धाँय स्त्री. (अनु.) गोली चलने से होने वाला शब्द प्रयो. धाँय से गोली चली और पंछी तड़पता हुआ जमीन पर आ गिरा।

धाँय-धाँय क्रि.वि. (अनु.) 1. धाँय-धाँय की आवाज के साथ 2. तेज हवा में ऊँची-ऊँची लपटों से निकलने वाला शब्द प्रयो. झोपड़ी धाँय-धाँय करती आग की लपटों से घिरी हुई थी।

धाँस स्त्री. (देश.) सूखे तंबाकू, मिर्च-मसालों, प्याज आदि की तीक्ष्ण गंध जिससे खाँसी उठने लगती है प्रयो. सब्जी मंडी में मिर्च की धाँस वह बर्दाश्त नहीं कर सका और झटपट बाहर निकल आया।

धाँसना अ.क्रि. (देश.) पशुओं का खाँसना।

धाँसी स्त्री. (देश.) घोड़े की खाँसी, ढाँसी।

धा पुं. (तत्.) 1. धैवत स्वर का संकेत 2. तबले का एक बोल 3. ब्रह्मा 4. बृहस्पति वि. धारण करने वाला, धारक प्रत्य. प्रत्यय जो संख्यावाचक विशेषणों के पीछे प्रकार, खंड, बार के अर्थ में जोड़ा जाता है जैसे- शतधा, बहुधा, नवधा।

धाइ स्त्री. (देश.) धाय, दाई पुं. धव या धौया, धवई का पेड़।

धाई स्त्री. (देश.) दे. धाय।

धाउ पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का नाच 2. धाव पेड़।

धाऊ पुं. (तद्.) 1. धव वृक्ष 2. आवश्यक कार्यों के लिए दौड़ाए जाने वाला व्यक्ति, हरकारा।

धाक स्त्री. (तत्.) रौब, दबदबा, प्रभाव, ख्याति, प्रसिद्धि शोहरत, आतंक मुहा. धाक जमना या बाँधना- प्रभाव, रौब या दबदबा होना प्रयो. उस छोटे से शहर में उसके पैसों की धाक जमी हुई थी; धाक बाँधना या जमाना- प्रभाव, रौब या दबदबा बनाना उदा. उसकी बहुमुखी प्रतिभा ने विश्वविद्यालय में उसकी धाक बाँध दी थी पुं. 1. ढाक, पलाश 2. वृष 3. आहार 4. भात 5. अन्न, अनाज 6. स्तंभ, खंभा 7. आधार, 8. सहारा, अवलंब 9. ब्रह्मा।

धाकड़ वि. (तद्.) धाक वाला, दबदबा वाला प्रयो. उस गोष्ठी में एक से बढ़कर एक धाकड़ विद्वान पधारे थे।

धाकना अ.क्रि. (देश.) धाक जमाना।